उत्तराखंड कई शहरों में कैंसर रोगियों को पेलिएटिव केयर सुविधा

ऋषिकेश। १९९९ में स्थापित पुणे स्थित एक एनजीओ मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) ने उत्तराखंड में गंगा प्रेम हॉस्पिस के साथ साझेदारी करने की घोषणा की है। यह साझेदारी देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार में कैंसर रोगियों को पेलिएटिव केयर सुविधा के लिहाज से की गई है। इसी सिलसिले में २८ मई, २०२५ को आयोजित एक कार्यक्रम में गंगा प्रेम हॉस्पिस को पेलिएटिव केयर यूनिट वाहन सौंपा गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति और प्रमुख कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ ए के दीवान, गंगा प्रेम हॉस्पिस के चिकित्सा निदेशक, डॉ. रूपाली दीवान, एमडी, भद्रा कैंसर केयर ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी, अरुण ओझा, महाप्रबंधक, बिक्री (रिटेल/प्रोजेक्ट्स), फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, पूजा डोगरा, चीफ ऑफ ऑपरेशंस (सीओओ) गंगा प्रेम हॉस्पिस, जानीमा, गंगा प्रेम हॉस्पिस की ट्रस्टी और आध्यात्मिक सलाहकार और अमृत राव, ऋषिकेश में आरोग्यधाम में एक पुरस्कार विजेता आयुर्वेद चिकित्सक और एमएमएफ के शुभचिंतक की मौजूदगी में पेलिएटिव केयर यूनिट वाहन औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस तरह अब कैंसर रोगियों को सहज देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि कैंसर रोगियों की देखभाल की दिशा में यह सिर्फ एक कदम है और यह सपोर्ट आने वाले कई वर्षों तक कायम रहेगा। इस महत्वपूर्ण पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, मुकुल माधव फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी, रितु प्रकाश छाबड़िया ने कहा, "गंगा प्रेम हॉस्पिस को पेलिएटिव केयर यूनिट वाहन सौंपने के साथ मुकुल माधव फाउंडेशन में हम खुद को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस तरह हमने गंगा प्रेम हॉस्पिस के ट्रस्टियों और प्रबंधन की समर्पित टीम के मार्गदर्शन में पिछले १२ साल से किए जा रहे काम को मान्यता देते हुए इसमें अपनी ओर से योगदान करने का प्रयास किया है। हरिद्वार मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि हमारी जड़ें यहां से हैं, मेरी दादी और पैतृक परिवार सब कुछ यहां से जुड़ा है। आज मेरी यादें मुझे वापस उन स्थानों पर ले जाती हैं जहां मैंने अपना समय बिताया था। पेलिएटिव केयर यूनिट वाहन के अलावा, मुकुल माधव फाउंडेशन ने रोगियों और देखभाल करने वालों की सहायता के लिए १८५० छोटे राशन किट और चादरें भी प्रदान कीं।